

ओहदी जिन्दगी च कमी ना कोई रेहन्दी

ओहदी जिन्दगी च कमी ना कोई रेहन्दी,
जो नाम जपे सतगुरु दा,
ओहदी हर एक मुराद पूरी हुंदी,
जो नाम जपे सतगुरु दा....

छड मुडे तू सारे भरम भुलेखे,
चुप करके चित ला दियो लेखे,
फिर देखियो नजारे रूह लेंदी,
जो नाम जपे सतगुरु दा,
ओहदी जिन्दगी च

रहन नही दिंदा कोई फिकर ना फाके,
नाम धिओंदे जो गुरु शरनी आ के,
ओहदी दोनों जहानी शोभा हुंदी,
जो नाम जपे सतगुरु दा,
ओहदी जिन्दगी च

सतगुरु मेरे दियां गुजियाँ रमजा,
चाड देवे सचखंड ताई सुरता,
ओहदी चडी होई सूरत नजारे लेंदी,
जो नाम जपे सतगुरु दा,
ओहदी जिन्दगी च

जो सतगुरु दा नाम धिओंदा,
अन्दरो ही प्रभु दा ओ दर्शन पौन्दा,
अनहद बानी नु ओह अन्द्रो ही सुन्दा,
जो नाम जपे सतगुरु दा,
ओहदी जिन्दगी च

<https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/26506/title/ohdi-zindagi-ch-kami-na-koi-rehndi>

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |